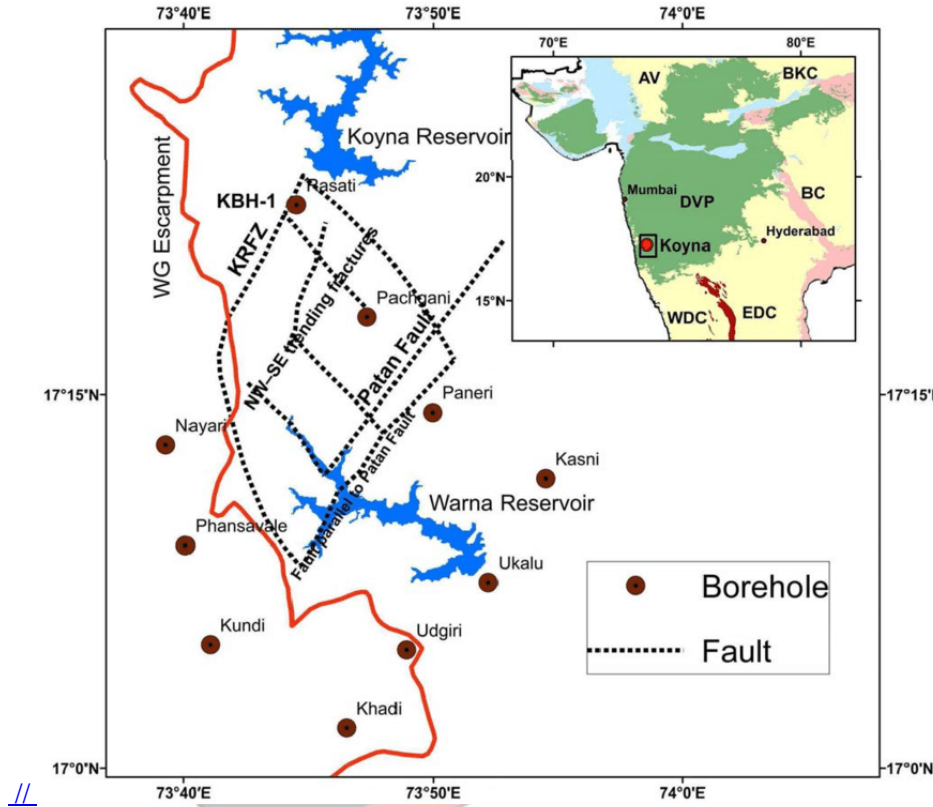


कोयना बाँध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत के नयित्तरक और महालेखा परीक्षक (CAG)** ने महाराष्ट्र में एक अधूरी जलवदियुत परियोजना को संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति देने में देरी के बारे में जानकारी दी है। इस देरी के कारण छह साल से अधिक समय तक धन का आवंटन अवरुद्ध रहा है।

- महाराष्ट्र सरकार के जल संसाधन विभाग (WRD) ने वर्ष 2004 में कोयना बाँध के बाएँ किनारे पर 2×40 मेगावाट (MW) जलवदियुत परियोजना के निर्माण के लिये प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की थी।



कोयना बाँध:

- कोयना बाँध महाराष्ट्र का सबसे बड़ा बाँध है, यह सतारा ज़िले के कोयना नगर में स्थित है।
- यह **पश्चिमी घाट** में **चपिलून और कराड के बीच राजकीय राजमार्ग** पर स्थित है। कोयना बाँध कोयना नदी पर बनाया गया एक मलबा-कंक्रीट बाँध है, कोयना नदी सहयाद्री पर्वत शृंखलाओं के एक हलि-स्टेशन महाबलेश्वर से निकलती है।
- कोयना बाँध पर कार्य **वर्ष 1951 में शुरू** किया गया था तथा पहली बार **वर्ष 1962 में टरबाइन** को स्थापित करने के लिये कार्य शुरू हुआ था।
 - वर्तमान में कोयना **जलवदियुत परियोजना का चरण V** निर्माणाधीन है।
- बाँध का मुख्य उद्देश्य पड़ोसी क्षेत्रों में सचिई सुविधाओं के साथ जलवदियुत की आपूर्ति करना है।
- कोयना बाँध पश्चिमी महाराष्ट्र के साथ-साथ कुछ पड़ोसी क्षेत्रों में जलवदियुत की आपूर्ति प्रदान करता है।
- मानसून** के मौसम के दौरान बाढ़ नयित्तरण में बाँध महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जलग्रहण क्षेत्र **कोयना नदी को शविसागर झील से जोड़ता है** जिसकी लंबाई लगभग 50 किमी. है।

- कोयना वन्यजीव अभयारण्य जो कलिंगभग 423.55 वर्ग कमी. क्षेत्र को कवर करता है, वर्ष 1985 में अधिसूचित किया गया था।
- वर्ष 2007 में चंदोली राष्ट्रीय उद्यान के साथ कोयना वन्यजीव अभयारण्य को [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण](#) द्वारा सहयाद्री टाइगर रज़िर्व के एक हिस्से के रूप में घोषित किया गया था।
- यह भारत की स्वतंत्रता के बाद शुरू की गई सबसे बड़ी सविलि इंजीनियरिंग परियोजनाओं में से एक है। कोयना जलविद्युत परियोजना महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा संचालित है।

कोयना नदी के वषिय में:

- कोयना जो कृष्णा की सहायक नदी है, पश्चिमी महाराष्ट्र में सतारा ज़िले के महाबलेश्वर से निकलती है।
- महाराष्ट्र की अधिकांश अन्य नदियों के विपरीत जो कि पूर्व-पश्चिम दिशा में बहती हैं, कोयना नदी उत्तर-दक्षिण दिशा में बहती है।
- यह महाराष्ट्र राज्य के सतारा ज़िले के 'दक्कन इलाके' में 2,036 वर्ग कमी. के क्षेत्र को कवर करती है।
 - औसत समुद्र तल से 550-1,460 मीटर की ऊँचाई की सीमा के साथ यह आमतौर पर पश्चिमी घाट क्षेत्र में दक्कन पठार की विशेषता वाले एक भौगोलिक संरचना का प्रतिनिधित्व करती है।
- इस पर कोयना नगर में शिवसागर जलाशय का निर्माण करने वाला 'कोयना बाँध' भी मौजूद है।
- कोयना नदी चार सहायक नदियों द्वारा समर्थित है, जसमें केरा, वांग, मोरना और महदि आदि शामिल हैं। इन नदियों पर केरा, वांग और मोरना बाँध मौजूद हैं।

वर्षों के प्रश्न

हाल ही में निम्नलिखित में से किस नदी को जोड़ने का कार्य शुरू किया गया था? (2016)

- कावेरी और तुंगभद्रा
- गोदावरी और कृष्णा
- महानदी और सोन
- नर्मदा और ताप्ती

उत्तर: (b)

व्याख्या: गोदावरी-कावेरी लंके में तीन घटक शामिल हैं:

- गोदावरी (इंचमपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर)
- कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमाशिला Somasila)
- पेन्नार (सोमाशिला) - कावेरी

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/koyna-dam>